पूति *f.* 1) (a r. पू s. ति) purificatio. 2) (a r. पूय् foetere abjecto य् s. ति) foetor, odor malus. Bh. 17. 10.

पूप *m.* placenta. Am.

**पूय्** 1. *A.* (विशरणे दुर्गन्धे *K.* दुर्गन्धशीर्णयोः *V.*) dissolvi, putrescere; foetere. (Cf. lith. *pûwu* putresco, fut. *pù-su*; gr. πῦον, v. पूय, πῦος, πύθω; lat. *pûteo* denomin. esse videtur a perdito nom. substant. vel adject., v. पूति; *puter, putresco; foeteo* mutatâ tenui in aspir. sicut e. c. in *fluo* = प्लु; goth. *fûls* putridus; hib. *putar* «putrid, stinking».)

पूय *n.* (r. पूय् s. अ) pus. (Gr. πῦον; lat. *pus.*)

**पूर्** 10. *P. interdum A.* 1) implere (*Part. pass.* पूरित; पूर्ण pertinet ad पॄ). Sa. 5. 1.: कठिनम् पूरयामास; N. 2. 11.: घोषेण पूरयन्तो वसुन्धराम्; Hit. 46. 11.: जलविन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः; Mah. 3. 8819.: पूरयस्व समुद्रम्; Ragh. 9. 63.: शरपूरितवक्त्ररन्ध्रान्; R. Schl. I. 75. 3.: पूरयस्व धनुः शरेण; *inde* 2) tendere *arcum.* R. Schl. I. 67. 8.: धनू राजभिर् अशक्यम् पूरितुम्. 3) satisfacere, respondere. Hit. 49. 2.: पूरयन्ति मनोरथान्; Mah. 1. 6489.: कामम् पूरयिष्यन्ति मे हयाः. (V. पॄ, पुरु, पूर्ण, पुल् et cf. lat. *pleo* = पूरयामि - v. gr. comp. 109[a]. 6. - ejectâ vocali, mutato *r* in *l*; de gr. πίμπλημι v. पॄ, पिपर्मि; hib. *furain* «plenty, abundance, excess», *furthanach* «plentiful», *furthain* «satiety, sufficiency».)

c. अनु explere, satisfacere. Gita-Gov. 1. 25.: अनुपूरयतु प्रियम् वः.

c. अभि praef. सम् *i. q. simpl.* Mah. 3. 10723.: बालुकाभिः ... गङ्गां समभिपूरयन्.

c. आ *id.* Bh. 11. 30.: तेजोभिर् आपूर्य जगत्; Dev. 2. 32.: नादेन घोरेण कृत्स्नम् आपूरितञ् जगत्; Mah. 1. 1302.

c. आ praef. सम् 1) implere. Mah. 1. 2473. 2) tendere *arcum.* Ram. I. 28. 41.: तन् न देवाः समापूरयितुं शक्ताः.

c. प्र implere. Hit. 20. 9.: प्रपूर्यते (उदरः).

c. प्र *id.* H. 1. 3.: दिशः सम्पूरयन् नादैः.

पूरुष *m.* vir, mas. Hit. 28. 17.

पूर्ण v. पॄ.

पूर्व (de declin. v. gr. 279.) 1) prior. Br. 2. 34. H. 3. 18. Bh. 4. 15. 2) orientalis. Su. 2. 12. *De* पूर्व *in fine compp. v. gr.* 680. (Cf. पर, पुरस्, पुरा, प्रथम; zend. 𐬞𐬀𐬊𐬌𐬭𐬌𐬌𐬀 *paôirya* primus; russ. *perv̈yĭ* id.; hib. *foirfe* «old, ancient, perfect, worthy».)

पूर्वचित्ति *f.* (e पूर्व et चित्ति, quod seorsim non invenitur) nom. pr. *Apsarasae.* In. 2. 29.

पूर्वतरम् *Adv.* (Acc. neut. a पूर्वतर prior a पूर्व suff. तर) prius, antea. Bh. 4. 15.

पूर्वतस् *Adv.* (a पूर्व s. तस्) orientem versus. Ragh. 3. 42.

पूर्वम् *Adv.* (Acc. neut. τοῦ पूर्व) 1) prius. Su. 4. 18. 2) antea, olim. In. 1. 41. Br. 1. 20. Sa. 3. 13.

पूर्वाह्ण *m.* (*Karm.* e पूर्व et अह्न dies *in fine compp.*) prior pars diei, tempus antemeridianum.

**पूल्** 1. et 10. *P.* (सङ्घाते *K.* संहतौ *V.*) coacervare. (Cf. पूर्, unde पूल् mutato र् in ल्).

**पूष्** 1. *P. i. q.* पुष्.

पूषन् *m.* (r. पूष् s. अन्) sol. Am.

1. पृ 5. *P.* पृणोमि (प्रीतौ) exhilarare. *Cf.* प्री, पृड्.

2. पृ 6. *A.* प्रिये (व्यायामे) laborare, operam dare, occupatum esse.

c. आ praef. वि *id.* व्यापृत occupatus. Mah. 2. 2126.: मा व्यापृतः परकार्येषु भूः; 1. 7281.: वैवस्वतो व्यापृतः सत्रहेतोः; 4. 597.: व्यापृतो गोषु; R. Schl. II. 39. 14.: व्यापृतम् वित्तसञ्चये. — *Caus.* occupare, occupatum tenere. Ragh. 2. 38.: वनद्विपानान् त्रासार्थम् अस्मिन्न् अहम् वनकुक्षौ व्यापारितः शूलभृता; 7. 54.: स दक्षिणान् तूणमुखेन वामम् व्यापारयन् हस्तम्; 6. 19.: एकम् व्यापारयामास करङ्क किरीटे. (Cf. पॄ, पूर् implere; पृत occupatus proprie o n e r a t u s, *chargé.*)

3. पृ 10. *P.* पारयामि (पूरणे *K.* पालने पूर्तौ *V.*) implere; nutrire, sustentare. *Cf.* पॄ, पूर्.

1. **पृच्** 7. *P.* पृणच्मि. 1) miscere, conjungere. Ragh. 2 13.: पृक्तस् तुषारैः पवनः; Bhatt. 6. 39.: अपृणग् धनु-